

आरता का गज़ीत The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पृष्ठ 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 142] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912
No. 142] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

सं. 161/90-सी(माण्डि-क)

भा.का.नि. 421 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, मोमायुल्ह आधिकार, 1962 (1962 का
52) ले धारा 25 की उम्मादा (1) द्वारा प्रदत्त गतिविधि का विवर करते हुए, इन्हा

यह समाधान हो जाने पर कि लोक द्वित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 137/90-सीमाशुल्क, तारीख 20 भार्व, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के प्रारंभिक पैरा में स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

(i) एक वर्ष से अनधिक उपर्युक्त अवधि के अन्तर्गत खंड (क) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा की गई अल्पकालिक यात्राओं की, यदि कोई हों, अवज्ञा की जाएगी, यदि ऐसी अल्पकालिक भारत की यात्रा के दौरान ठहरने की कुल अवधि 45 दिन से अधिक नहीं है, परन्तु विदेश में ठहरने की कुल अवधि, जिसके अन्तर्गत भारत को ऐसी अल्पकालिक यात्राओं में व्यतीत अवधि नहीं है, 365 दिन से कम नहीं है; और

(ii) दो वर्ष की उपर्युक्त अवधि के अन्तर्गत खंड (झ)में निर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा वी गई अल्पकालिक यात्राओं की, यदि कोई हों, अवज्ञा की जाएगी, यदि ऐसी अल्पकालिक यात्रा के दौरान ठहरने की कुल अवधि छह मास से अधिक नहीं है और किसी व्यक्ति के विदेश में ठहरने की अवधि में दो मास की कमी को सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा माफ किया जा सकेगा, यदि उसका यह समाधान हो जाना है कि वह व्यक्ति सेवान्त सुटी या प्रावकाश या किसी अन्य विशेष परिस्थिति के कारण भारत शीघ्र लौट आया है, परन्तु संबद्ध व्यक्ति द्वारा पर्याप्त हेतुक दर्शित किए जाने पर, सीमाशुल्क कलक्टर छह मास से अधिक भारत में ठहरने की अवधि को माफ कर सकेगा।

[फा. सं. 495/32/89-सीमा. VI(पी डी)]
पी. के. जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1990

NO. 161/90-CUSTOMS

G.S.R. 421 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,

Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 137/90 Customs, dated 20th March, 1990, namely :—

In the opening paragraph of the said notification, for the Explanation, the following Explanation shall be substituted namely :—

"Explanation : For the purpose of this notification,—

(i) short visits, if any, made by the person referred to in clause (a), during the aforesaid period of not less than 1 year shall be ignored, if the total duration of stay on such short visits to India does not exceed 45 days, provided total period of stay abroad, excluding the period spent in India on such short visits, is not less than 365 days ; and

(ii) short visits, if any, made by the person referred to in clause (b), during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on such short visit does not exceed six months and shortfall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India has been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstances, provided that on sufficient cause being shown by the person concerned, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

[F. No. 495/32/89-CUS. VI (Pt.)]
P. K. JAIN, Under Secy.

